कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),

मकान नं0-1 व 2, निकट महिला आई0टी0आई0 कालेज के सामने, गोरा बाजार, रायबरेली-229001

E-mail :- ee_kk_upjn.ra1@yahoo.com

पत्रांक : 2521 / M-20 /210 दिनांक 30/10/2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषय :– ई– समाचार पत्र दैनिक भास्कर, रायबरेली दिनांक 30.10.2026 को पेपर में प्रकाशित ''जल जीवन मिशन के तहत कई टंकियां अधूरी, पाइपलाइन के लिए उखाड़े खड़जे की मरम्मत नहीं हुई'' के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय _ई– समाचार पत्र दैनिक भास्कर, रायबरेली दिनांक 30.10.2026 को पेपर में प्रकाशित ''जल जीवन मिशन के तहत कई टंकियां अधूरी, पाइपलाइन के लिए उखाड़े खड़जे की मरम्मत नहीं हुई'' शीर्षक का सन्दर्भ ग्रहण करने की कृपा करें, जिसकी आख्या निम्नवत् है :–

प्रकाशित खबर	आख्या
रायबरेली जिले के सलोन क्षेत्र के छतोह की 44 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद भी घरों की टोटियों से पानी नहीं आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई पानी की टंकियां अधूरी हैं और पाइपलाइन के लिए उखाड़े गए खड़ंजे की मरम्मत नहीं हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, अधिकतर पंचायतों में पानी की टंकियां अब भी अधूरी हैं। कुछ पंचायतों में टंकियां बनी ही नहीं हैं। जहां टंकियां अधूरी या पूरी बनी हैं, वहां पाइपलाइन बिछाकर पानी की सप्लाई शुरू करने की बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन बिछने के बावजूद घरों के बाहर लगी टोटियों से पानी नहीं आता। टोटी खोलने पर भी पानी नहीं गिरता। उन्होंने सरकार से मौके पर जाकर गुप्त जांच कराने की मांग की है। यह मांग करने वाले ग्रामीणों में राम बरन सरोज, मकसूद अहमद, उमाशंकर, छोटेलाल, गिर्राऊ, मुकेश कुमार, सूरजलाल, रामखेलावन, रामधनी, बब्बू, दीपाशू उपाध्यक्ष, शेष नारायन श्रीवास्तव, गया प्रसाद अग्रहरी, मगई पासी, आमीन, आसीन और डबलू शामिल हैं। ग्रामीणों ने योजना के काम पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खड़ंजा उखाड़ा गया, लेकिन उसे अब तक ठीक नहीं कराया गया। छतोह के साथ डीह में भी जल जीवन मिशन के काम को लेकर ऐसी ही स्थिति बताई गई है।	उक्त प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि विकास खण्ड– छतोह एवं डीह में जल जीवन मिशन फेज–2 व 3 के अंतर्गत 51 योजनाएं प्रस्तावित है। जिसमें 53 ग्राम पंचायते तथा 78 राजस्व ग्राम सम्मिलित है। उक्त योजनाओं के अंतर्गत 57 नग नलकूप, 53 नग शिरोपरि जलाशय, 57 नग पम्प हाउस, 944.22 कि0मी0 वितरण प्रणाली आदि कार्य प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यो के सापेक्ष 54 नलकूप, 24 नग शिरोपरि जलाशय, 47 नग पम्प हाउस, 901.64 कि0मी0 वितरण प्रणाली का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष पर कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में 52 ग्रामों में पेयजलापूर्ति की जा रही है। इसके अतिरिक्त विकास खण्ड–छतोह एवं डीह में 06 नग ग्राम समूह पुर्नगठन पेयजल योजनाएं स्वीकृत है। जिसमें 29 ग्राम पंचायते तथा 46 राजस्व ग्राम सम्मिलित है। उक्त योजनाओं के अंतर्गत 38 नग नलकूप, 25 नग शिरोपरि जलाशय, 38 नग पम्प हाउस, 452.13 कि0मी0 वितरण प्रणाली आदि कार्य प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यो के सापेक्ष 34 नलकूप, 07 नग पम्प हाउस तथा 279.27 कि0मी0 वितरण प्रणाली का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष पर कार्य प्रगति पर है। उक्त पुर्नगठन योजनाओं पर माह अक्टूबर–2024 से धनांवटन प्राप्त न होने के कारण कार्य की प्रगति धीमी है। उक्त योजनाओं को मार्च–2027 तक पूर्ण कर समस्त ग्रामों में पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराया जाना लक्षित है। उपरोक्त के अतिरिक्त 02 नग योजनाएं यथा– टेकारी दांदू एवं जगदीशपुर पूर्व से निर्मित है। जिसमें से टेकारी दांदू में आंशिक पेयजलापूर्ति की जा रही हैं। उक्त दोनो योजनाओ को संचालन एवं अनुरक्षण नीति–2024 के तहत 10 वर्षो के सफल संचालन एवं अनुरक्षण हेतु सम्मिलित कर प्राक्कलन मुख्यालय स्तर को प्रेषित है। उक्त दोनो योजनाओं पर आंशिक धनांवटन प्राप्त हुआ है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

संलग्नक–पेपर कटिंग।

भवदीय

(रणविजय सिंह)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।

अधिशासी अभियन्ता

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),

मकान नं0-1 व 2, निकट महिला आई0टी0आई0 कालेज के सामने, गोरा बाजार, रायबरेली-229001

E-mail :- ee_kk_upjn.ral@yahoo.com

पत्रांक : 2521 / M-20 /220 दिनांक 30/10/2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषय :- **ई– समाचार पत्र दैनिक भास्कर, रायबरेली दिनांक 30.10.2026 को पेपर में प्रकाशित "जल जीवन मिशन के तहत कई टंकियां अधूरी, पाइपलाइन के लिए उखाड़े खड़जे की मरम्मत नहीं हुई" के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषय ई– समाचार पत्र दैनिक भास्कर, रायबरेली दिनांक 30.10.2026 को पेपर में प्रकाशित "जल जीवन मिशन के तहत कई टंकियां अधूरी, पाइपलाइन के लिए उखाड़े खड़जे की मरम्मत नहीं हुई" शीर्षक का सन्दर्भ ग्रहण करने की कृपा करें, जिसकी आख्या निम्नवत् है :–

प्रकाशित खबर	आख्या
रायबरेली जिले के सलोन क्षेत्र के छतोह की 44 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद भी घरों की टोटियों से पानी नहीं आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई पानी की टंकियां अधूरी हैं और पाइपलाइन के लिए उखाड़े गए खड़ंजे की मरम्मत नहीं हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, अधिकतर पंचायतों में पानी की टंकियां अब भी अधूरी हैं। कुछ पंचायतों में टंकियां बनी ही नहीं हैं। जहां टंकियां अधूरी या पूरी बनी हैं, वहां पाइपलाइन बिछाकर पानी की सप्लाई शुरू करने की बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन बिछने के बावजूद घरों के बाहर लगी टोटियों से पानी नहीं आता। टोटी खोलने पर भी पानी नहीं गिरता। उन्होंने सरकार से मौके पर जाकर गुप्त जांच कराने की मांग की है। यह मांग करने वाले ग्रामीणों में राम बरन सरोज, मकसूद अहमद, उमाशंकर, छोटेलाल, गिर्राऊ, मुकेश कुमार, सूरजलाल, रामखेलावन, रामधनी, बब्बू, दीपाशू उपाध्यक्ष, शेष नारायन श्रीवास्तव, गया प्रसाद अग्रहरी, मगई पासी, आमीन, आसीन और डबलू शामिल हैं। ग्रामीणों ने योजना के काम पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खड़ंजा उखाड़ा गया, लेकिन उसे अब तक ठीक नहीं कराया गया। छतोह के साथ डीह में भी जल जीवन मिशन के काम को लेकर ऐसी ही स्थिति बताई गई है।	उक्त प्रकाशित खबर के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि विकास खण्ड– छतोह एवं डीह में जल जीवन मिशन फेज–2 व 3 के अंतर्गत 51 योजनाएं प्रस्तावित है। जिसमें 53 ग्राम पंचायते तथा 78 राजस्व ग्राम सम्मिलित है। उक्त योजनाओं के अंतर्गत 57 नग नलकूप, 53 नग शिरोपरि जलाशय, 57 नग पम्प हाउस, 944.22 कि0मी0 वितरण प्रणाली आदि कार्य प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यो के सापेक्ष 54 नलकूप, 24 नग शिरोपरि जलाशय, 47 नग पम्प हाउस, 901.64 कि0मी0 वितरण प्रणाली का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष पर कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में 52 ग्रामों में पेयजलापूर्ति की जा रही है। इसके अतिरिक्त विकास खण्ड–छतोह एवं डीह में 06 नग ग्राम समूह पुर्नगठन पेयजल योजनाएं स्वीकृत है। जिसमें 29 ग्राम पंचायते तथा 46 राजस्व ग्राम सम्मिलित है। उक्त योजनाओं के अंतर्गत 38 नग नलकूप, 25 नग शिरोपरि जलाशय, 38 नग पम्प हाउस, 452.13 कि0मी0 वितरण प्रणाली आदि कार्य प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यो के सापेक्ष 34 नलकूप, 07 नग पम्प हाउस तथा 279.27 कि0मी0 वितरण प्रणाली का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष पर कार्य प्रगति पर है। उक्त पुर्नगठन योजनाओं पर माह अक्टूबर–2024 से धनांवटन प्राप्त न होने के कारण कार्य की प्रगति धीमी है। उक्त योजनाओं को मार्च–2027 तक पूर्ण कर समस्त ग्रामों में पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराया जाना लक्षित है। उपरोक्त के अतिरिक्त 02 नग योजनाएं यथा– टेकारी दांदू एवं जगदीशपुर पूर्व से निर्मित है। जिसमें से टेकारी दांदू में आंशिक पेयजलापूर्ति की जा रही हैं। उक्त दोनो योजनाओ को संचालन एवं अनुरक्षण नीति–2024 के तहत 10 वर्षो के सफल संचालन एवं अनुरक्षण हेतु सम्मिलित कर प्राक्कलन मुख्यालय स्तर को प्रेषित है। उक्त दोनो योजनाओं पर आंशिक धनांवटन प्राप्त हुआ है, जिसका कार्य प्रगति पर है।

संलग्नक–पेपर कटिंग।

भवदीय

(रणविजय सिंह)
अधिशासी अभियन्ता

पृ०सं० एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता (ल0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।

अधिशासी अभियन्ता

छतोह की पंचायतों में नलों से पानी नहीं आ रहा:जल जीवन मिशन के तहत कई टंकियां अधूरी, पाइपलाइन के लिए उखाड़े खड़ंजे की मरम्मत नहीं हुई

अनूप मिश्रा | अशरफपुर (सलोन), रायबरेली5 घंटे पहले



रायबरेली जिले के सलोन क्षेत्र के छतोह की 44 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद भी घरों की टोटियों से पानी नहीं आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई पानी की टंकियां अधूरी हैं और पाइपलाइन के लिए उखाड़े गए खड़ंजे की मरम्मत नहीं हुई है।

ग्रामीणों के मुताबिक, अधिकतर पंचायतों में पानी की टंकियां अब भी अधूरी हैं। कुछ पंचायतों में टंकियां बनी ही नहीं हैं। जहां टंकियां अधूरी या पूरी बनी हैं, वहां पाइपलाइन बिछाकर पानी की सप्लाई शुरू करने की बात कही गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन बिछने के बावजूद घरों के बाहर लगी टोटियों से पानी नहीं आता। टोटी खोलने पर भी पानी नहीं गिरता। उन्होंने सरकार से मौके पर जाकर गुप्त जांच कराने की मांग की है।

यह मांग करने वाले ग्रामीणों में राम बरन सरोज, मकसूद अहमद, उमाशंकर, छोटेलाल, गिर्राऊ, मुकेश कुमार, सूरजलाल, रामखेलावन, रामधनी, बब्बू, दीपाशू उपाध्यक्ष, शेष नारायन श्रीवास्तव, गया प्रसाद अग्रहरी, मगई पासी, आमीन, आसीन और डबलू शामिल हैं।

ग्रामीणों ने योजना के काम पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खड़ंजा उखाड़ा गया, लेकिन उसे अब तक ठीक नहीं कराया गया।

छतोह के साथ डीह में भी जल जीवन मिशन के काम को लेकर ऐसी ही स्थिति बताई गई है।